

नाना के किरदारों में हमेशा गूंजती रही आदमी की बेचैनी, अब कौन बनेगा- ‘साला एक मच्छर’ की आवाज!!!



24 न्यूज अपडेट

मुंबई, 8 अक्टूबर। भारतीय सिनेमा में नाना पाटेकर की उपस्थिति ऐसी थी कि पदों पर चेहरा आते ही कहानी का मुखड़ा ही बदल जाता था। संवाद वही रहते थे, लेकिन बोलने का ढंग जीवन की किसी कड़वी सच्चाई को बयां करने लग जाते। 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ सिनेमा ने ऐसा अभिनेता खो दिया, जिसकी सबसे बड़ी पूंजी उनके अभिनय में दिखाई देने वाला आदमी याने के हम और आप थे।

गोवा में गुरुवार तड़के तबीयत बिगड़ने के बाद नाना पाटेकर को अस्पताल ले जाया गया, चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के अनुसार मृत्यु कार्डियक अरेस्ट से हुई। बेटे मल्हार पाटेकर ने भी निधन की पुष्टि की। कुछ घंटे पहले नाना ने रात करीब 2.30 बजे एक मित्र को तबीयत खराब होने का संदेश भेजा था। मित्र के पहुंचने पर हालत बिगड़ी हुई थी। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

नाना पाटेकर का जीवन और अभिनय दोनों किसी एक खांचे में नहीं समाए। जन्म विश्वनाथ पाटेकर के रूप में हुआ। रंगमंच से निकले इस अभिनेता ने 1978 की फिल्म 'गमन' से फिल्मों में कदम रखा और आगे चलकर हिंदी तथा मराठी सिनेमा में अपनी ऐसी जगह बनाई, जहां लोकप्रियता और गंभीर अभिनय एक-दूसरे के विरोधी नहीं रहे। 'परिदा' का अंधेरा हो, 'प्रहार' का सैनिक तेवर, 'क्रांतिवीर' का आक्रोश, 'अब तक छप्पन' का पुलिस अधिकारी या 'नटसम्राट' का टूटता हुआ रंगकर्मी नाना ने हर किरदार को केवल निभाया नहीं, उसके भीतर की बेचैनी को आवाज दी। यही कारण है कि उनके कई संवाद फिल्मों से बाहर निकलकर लोगों की स्मृति का हिस्सा बन गए। उनके अभिनय की खासियत यह थी कि वे किरदार पर अभिनय का रंग चढ़ाते नहीं थे। किरदार को उसके स्वभाव, उसकी भाषा और उसकी कमजोरियों के

साथ सामने रखते थे। गुस्से में उनकी आवाज ऊंची होती थी तो उसके पीछे किसी व्यवस्था से लड़ता हुआ आदमी दिखाई देता था। चुप होते थे तो वह चुप्पी भी संवाद बन जाती थी। यही वह जगह थी जहां रंगमंच से आया अभिनेता फिल्मी पदों के सितारे से आगे निकलकर अभिनेता बनता है।

गंभीर सिनेमा से 'वेलकम' तक

नाना की कला का दूसरा पक्ष उनकी व्यापकता थी। 'नटसम्राट' जैसी त्रासद भूमिका से लेकर 'वेलकम' के उदय शेट्टी जैसे लोकप्रिय और हास्यपूर्ण किरदार तक उन्होंने दर्शकों को यह भरोसा दिलाया कि गंभीर अभिनेता का अर्थ गंभीर भूमिकाओं में कैद अभिनेता नहीं होता। उन्होंने अभिनय के साथ निर्देशन भी किया। 'प्रहार' में सैनिक जीवन और अनुशासन को जिस तरह उन्होंने पदों पर रखा, उसमें उनके भीतर के रंगकर्मी के साथ सामाजिक सरोकार रखने वाला कलाकार भी दिखाई दिया। हिंदी और मराठी दोनों भाषाओं में काम करते हुए उन्होंने मुख्यधारा और समानांतर सिनेमा के बीच अपनी स्वतंत्र पहचान कायम रखी। उनके अभिनय को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों सहित कई बड़े सम्मानों से नवाजा गया। उन्हें पद्मश्री भी मिला। लेकिन नाना पाटेकर की पहचान पुरस्कारों की सूची से कहीं बड़ी थी। वह उन कलाकारों में थे जिनके लिए कैमरा केवल चेहरा रिकॉर्ड करने का माध्यम नहीं था; कैमरा उनके भीतर के आदमी को पकड़ता था।

अंतिम सफर पुणे में

नाना पाटेकर के निधन की खबर सामने आते ही फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई। महाराष्ट्र सरकार ने उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किए जाने की घोषणा की है। उनके अंतिम संस्कार के लिए पुणे स्थित फार्महाउस को चुना गया है। नाना पाटेकर का जाना हिंदी सिनेमा में एक खाली जगह छोड़ता है, क्योंकि उनके जैसे अभिनेता लोकप्रियता के लिए किरदार को सरल नहीं करते थे। वे कठिन आदमी को कठिन ही रहने देते थे और दर्शक को उसकी आंखों में देखने के लिए मजबूर करते थे। उनके जाने के बाद उनकी फिल्में फिर देखी जाएंगी। 'क्रांतिवीर' का गुस्सा, 'नटसम्राट' की विवशता, 'प्रहार' का अनुशासन और 'वेलकम' का हास्य इन सबमें एक ही अभिनेता अलग-अलग मनुष्यों के रूप में मौजूद मिलेगा। नाना पाटेकर का सिनेमा शायद इसलिए लंबा चलेगा क्योंकि उन्होंने पदों पर सितारे से ज्यादा आदमी को जगह दी। और आदमी की कहानी, अभिनेता के चले जाने के बाद भी खत्म नहीं होती।

UPI पर 0.4% चार्ज का फैसला टल सकता है



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। UPI से 2,000 रुपए से अधिक के भुगतान पर प्रस्तावित 0.4% मर्चेट चार्ज लागू होने की तारीख आगे बढ़ सकती है। केंद्र सरकार 15 अक्टूबर से यह व्यवस्था लागू करने की तैयारी में थी, लेकिन अब फेस्टिव सीजन को देखते हुए इसे अगले साल 1 जनवरी तक टालने पर विचार किया

जा रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। हालांकि, सरकार की ओर से अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है और आने वाले कुछ दिनों में स्थिति स्पष्ट होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, त्योहारी सीजन में कारोबारियों और डिजिटल पेमेंट कंपनियों पर अतिरिक्त शुल्क का असर न पड़े, इसलिए सरकार फिलहाल UPI लेन-देन को सुफ्त रखने के विकल्प पर विचार कर रही है। यदि प्रस्तावित तारीख आगे बढ़ती है तो कारोबारियों को नए साल तक राहत मिल सकती है।

खबर आते ही फिनटेक शेयरों में दबाव

UPI चार्ज से जुड़ी खबरों का असर शेयर बाजार में सूचीबद्ध फिनटेक कंपनियों पर भी दिखाई दिया। पेटीएम का शेयर कारोबार के दौरान करीब 10% तक टूटकर 1,561 रुपए के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में कुछ रिकवरी हुई और शेयर 5.42% की गिरावट के साथ 1,640 रुपए पर बंद हुआ। मोबिक्विक् का शेयर भी दिन में 8.43% तक गिरकर 235 रुपए पर पहुंचा। कारोबार समाप्त होने पर इसमें 4.57% की गिरावट रही और शेयर 245 रुपए पर बंद हुआ। पाइन लैन्स का शेयर 169 रुपए के निचले स्तर तक जाने के बाद 4.39%

संत की मौत के मामले में 50 घंटे बाद समाधि से निकाला शव, पांच पर हत्या का केस



24 न्यूज अपडेट

चूरू, 8 अक्टूबर। रतनगढ़ तहसील के सांगासर गांव में दो संतों के बीच विवाद के बाद हुई एक संत वन्नानाथ की मौत के मामले में पुलिस ने करीब 50 घंटे बाद शव को समाधि से बाहर निकलवाया। शव को

जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों की रिपोर्ट पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है, जबकि पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। थानाधिकारी संदीप बिश्नोई के अनुसार एसडीएम के आदेश पर तहसीलदार अंकित मिमानी के निर्देशन में मेडिकल व एफएसएल टीम की मौजूदगी में शव बाहर निकाला गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों ने बिना सूचना दिए शव को समाधि देने और मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। मामले की जांच जारी है।

जयपुर के चेतन्य सिंह ने अमेरिका की मेडिकल प्रवेश परीक्षा में हासिल किया 100 पर्सेंटाइल



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 8 अक्टूबर। जयपुर के चिकित्सक परिवार के बेटे चेतन्य सिंह ने अमेरिका में अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए मेडिकल कॉलेज प्रवेश परीक्षा (एमकैट)

में पहली ही कोशिश में 100 पर्सेंटाइल हासिल किया है। खास बात यह है कि चेतन्य ने यह उपलब्धि अपने प्री-मेडिकल स्नातक पाठ्यक्रम के पांचवें सेमेस्टर की शुरुआत से पहले ही हासिल कर ली। अमेरिकी चिकित्सा महाविद्यालय संघ (एएएमसी) की ओर से आयोजित एमकैट अमेरिका के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए महत्वपूर्ण परीक्षा है। चेतन्य का शुरुआती चरण में ही परीक्षा देना और पहली कोशिश में सर्वोच्च पर्सेंटाइल हासिल करना उनकी मजबूत शैक्षणिक तैयारी को दर्शाता है। चेतन्य के पिता डॉ. राजीव सिंह जयपुर के वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट हैं और भारतीय रेडियोलॉजिकल एवं इमेजिंग संघ (आईआरआईए) के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव रह चुके हैं। उनकी मां डॉ. शालिनी राठौड़ जयपुर के महिला चिकित्सालय में वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ हैं।

शेयर बाजार में भूचाल, संसेक्स 1,045 अंक लुढ़का; निफ्टी 22,232 पर



24 न्यूज अपडेट

मुंबई, 8 अक्टूबर। भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को संसेक्स

1,045 अंक टूटकर 71,593 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 371 अंक गिरकर 22,232 पर पहुंच गया। मेटल, ऑटो और रियल्टी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली। बाजार पर बढ़ते कच्चे तेल के दाम और विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सीधा असर पड़ा। ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जबकि बुधवार को विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में करीब 6,121 करोड़ रुपए की बिकवाली की। पिछले 9 कारोबारी सत्रों में FIIs करीब 57 हजार करोड़ रुपए के शेयर बेच चुके हैं। निफ्टी का 22,500 का अहम सपोर्ट टूटने से भी निवेशकों की चिंता बढ़ी। इसके अलावा अमेरिका की बॉन्ड यील्ड में तेजी और वैश्विक बाजारों में कमजोरी ने दबाव बढ़ाया। विशेषज्ञों के मुताबिक इन वैश्विक और घरेलू कारणों के चलते बाजार में फिलहाल उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

कनाडा की लेखिका ऐन कार्सन को 2026 का साहित्य नोबेल



24 न्यूज अपडेट

स्टॉकहोम, 8 अक्टूबर। कनाडा की लेखिका और कवयित्री ऐन कार्सन को 2026 का साहित्य नोबेल पुरस्कार

दिया गया है। नोबेल समिति ने उनके उस लेखन को सम्मानित किया है, जिसमें उन्होंने प्राचीन यूनानी-रोमन साहित्य और मिथकों को आधुनिक जीवन, प्रेम, रिश्तों, हिंसा और दुख से जोड़ा। 1950 में टोरंटो में जन्मी कार्सन ने प्राचीन यूनानी और रोमन साहित्य का अध्ययन किया और 1981 में इसी विषय पर डॉक्टरेट की। उनकी चर्चित कृति 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ रेड: ए नॉवेल इन वर्स' 1998 में प्रकाशित हुई थी, जिसमें प्राचीन यूनानी मिथक के राक्षस गेरियोन को एक संवेदनशील युवक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। उनकी अन्य चर्चित पुस्तकों में 'द ब्यूटी ऑफ द हसबैंड' और भाई माइकल की स्मृति में लिखी 'नॉक्स' शामिल हैं। कार्सन के लेखन में कविता, कथा और निबंध की सीमाएं भी कई बार एक-दूसरे में घुलती दिखाई देती हैं।

SI-प्लाटून कमांडर के दूसरे चरण के साक्षात्कार 21 अक्टूबर से

24 न्यूज अपडेट

अजमेर, 8 अक्टूबर। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने उपनिरीक्षक एवं प्लाटून कमांडर भर्ती-2025 के द्वितीय चरण और असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2025 के विभिन्न विषयों के साक्षात्कार का कार्यक्रम जारी कर दिया है। SI-प्लाटून कमांडर भर्ती के दूसरे चरण के इंटरव्यू 21 से 30 अक्टूबर 2026 तक होंगे। इस भर्ती में कुल 4019 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए अस्थाई रूप से सफल घोषित किए गए हैं, जिनमें 62 अनुसूचित क्षेत्र और 3957 गैर-अनुसूचित क्षेत्र के अभ्यर्थी हैं। आयोग ने अभी इंटरव्यू लेटर वेबसाइट पर अपलोड नहीं किए हैं। आयोग के कार्यवाहक सचिव आशुतोष गुप्ता ने अभ्यर्थियों को नवीनतम पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो, फोटोयुक्त मूल पहचान-पत्र और सभी मूल प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियां तैयार रखने के निर्देश दिए हैं। दस्तावेज पूरे नहीं होने पर साक्षात्कार से वंचित किया जा सकता है। इंटरव्यू लेटर आयोग की वेबसाइट पर बाद में जारी किए जाएंगे।

10वीं-12वीं के प्राइवेट स्टूडेंट्स के फॉर्म आज से, 23 अक्टूबर तक मौका 24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) की 2027 की मुख्य परीक्षा में शामिल होने वाले 10वीं और 12वीं के प्राइवेट विद्यार्थियों के आवेदन आज से शुरू हो गए हैं। सामान्य शुल्क के साथ आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 23 अक्टूबर निर्धारित की गई है। बोर्ड ने आवेदन प्रक्रिया और शुल्क को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रति विषय सामान्य आवेदन शुल्क 320 रुपए रखा गया है। नेपाल में विद्यार्थियों के लिए यह शुल्क 1100 रुपए और अन्य विदेशी देशों के लिए 2200 रुपए प्रति विषय निर्धारित है। 23 अक्टूबर के बाद आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को विलंब शुल्क देना होगा। लेट फीस के साथ आवेदन 24 से 30 अक्टूबर तक किए जा सकेंगे। 12वीं के विद्यार्थियों के लिए प्रैक्टिकल विषयों की फीस 160 रुपए प्रति विषय तय की गई है। नेपाल में प्रैक्टिकल फीस 175 रुपए और अन्य विदेशों में 375 रुपए प्रति विषय होगी।

संपादकीय : महंगाई का दबाव

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से प्रमुख नीतिगत ब्याज दर यानी रेपो दर को 0.25 फीसद बढ़ाकर 5.50 फीसद करने का फैसला बढ़ती महंगाई और रुपए की विनिमय दर में गिरावट से बन रहे दबाव के कारण नीतिगत रुख में बदलाव का संकेत है। इसमें दोराय नहीं कि वस्तुओं के मूल्यों पर नियंत्रण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी केंद्रीय बैंक के लिए बड़ी चुनौती होती है। जब महंगाई का दबाव बढ़ता है और कीमतों में लगातार वृद्धि होने लगती है, तब आरबीआई मौद्रिक नीति के माध्यम से मांग को नियंत्रित करने का प्रयास करता है। मगर इसका असर कर्ज, निवेश, रोजगार, उपभोग और आर्थिक विकास पर भी पड़ता है। रेपो दर बढ़ाने का सबसे ज्यादा असर कर्ज के लेन-देन पर पड़ेगा। आवास एवं वाहन समेत अन्य कर्ज महंगे हो सकते हैं और मौजूदा कर्जदारों की मासिक किस्त भी बढ़ सकती है। यानी पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को अब दोहरा संकट झेलना पड़ सकता है। आरबीआई का यह कदम हालांकि व्यापक रूप से अपेक्षित था, लेकिन नीतिगत रुख को तटस्थ से बदलकर 'सूझ-बूझ के साथ सख्त' करने का निर्णय कुछ हद तक चौकाने वाला है। इससे निकट अवधि में रेपो दर में कटौती की संभावना लगभग समाप्त हो गई है। करीब चार साल में पहली बार रेपो दर में बढ़ोतरी की गई है और आगे भी यह क्रम जारी रह सकता है। रेपो दर वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक आरबीआई से कर्ज लेते हैं। जब इस दर में इजाफा होता है, तो अमूमन बैंक भी लोगों के लिए ऋण पर ब्याज दर बढ़ा देते हैं। आरबीआई का यह फैसला ऐसे

समय आया है, जब त्योहारों का मौसम शुरू हो रहा है और लोग इस वक्त घर, वाहन तथा कारोबार जैसी जरूरतों के लिए बैंक से कर्ज लेने की योजना बनाते हैं। ऐसे में कर्ज पर ब्याज दर बढ़ने से या तो उन्हें अपनी योजना टालनी पड़ेगी या फिर ज्यादा मासिक किस्त चुकानी पड़ेगी, जिसका असर उनके घरेलू बजट पर भी पड़ेगा। रेपो दर बढ़ाकर महंगाई को नियंत्रित करने का असर मांग में कमी के रूप में सामने आता है। यदि उपभोक्ता महंगे कर्ज के कारण खर्च कम करते हैं और कंपनियां निवेश को टालती हैं, तो वस्तुओं और सेवाओं की मांग पर दबाव घट सकता है। मांग कम होने से उत्पादकों के लिए कीमतें बढ़ाना कठिन हो जाता है। मगर महंगाई हमेशा मांग के कारण ही नहीं बढ़ती। खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि, खराब मानसून आपूर्ति बाधाएं कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल या भू-राजनीतिक संकट जैसी परिस्थितियां भी महंगाई का कारण बन सकती हैं। ऐसे में रेपो दर बढ़ाने का प्रभाव सीमित हो सकता है। यदि खाद्य वस्तुओं के मूल्य आपूर्ति की कमी के कारण बढ़ रहे हों, तो महंगे कर्ज से उनकी कीमतें सीधे कम नहीं की जा सकतीं। इसके लिए मौद्रिक नीति के साथ आपूर्ति पक्ष के उपाय भी जरूरी होते हैं। रेपो दर बढ़ने का प्रभाव आर्थिक विकास पर भी पड़ता है। महंगे कर्ज से कंपनियों की निवेश योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं और छोटे एवं मध्यम उद्यमों के लिए कार्यशील पूंजी जुटाना कठिन हो सकता है। जाहिर है, रेपो दर में बढ़ोतरी तभी प्रभावी हो सकती है, जब इसे सरकार के आपूर्ति संबंधी उपायों, उत्पादन बढ़ाने की नीतियों और रोजगार सृजन के प्रयासों का साथ मिले।

लापरवाही की हद

उत्तर प्रदेश में मथुरा के वृंदावन स्थित एक आवासीय विद्यालय में पानी की टंकी साफ करने उतरे चार छात्रों की मौत की घटना कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह महज हादसा नहीं, बल्कि इससे विद्यालय में व्यवस्था की गंभीर लापरवाही उजागर होती है। शिक्षा संस्थान बच्चों के लिए ज्ञान और व्यक्तित्व निर्माण के केंद्र होते हैं। यहां विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपने अधिकारों, जिम्मेदारियों और बेहतर भविष्य की सीख दी जाती है। ऐसे में यदि विद्यालयों में छात्रों को पढ़ाई के अलावा अन्य काम करना पड़े, तो यह शिक्षा के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्न खड़े करता है। आखिर क्या वजह रही कि आवासीय विद्यालय में विद्यार्थियों को पानी की टंकी साफ करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिस कारण उनकी जान चली गई! क्या किसी ने उन्हें यह काम करने के लिए कहा था या फिर वे अपनी मर्जी से यह सब कर रहे थे, इसकी सच्चाई तो जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन दोनों ही स्थितियों में विद्यालय प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकता। अहम सवाल

यह है कि छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की निगरानी और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधन की नहीं, तो और किसकी है ? पानी की टंकी की सफाई और रखरखाव नियमित व्यवस्था का हिस्सा होना चाहिए। अगर टंकी से दुर्गंध उठ रही थी, तो प्रबंधन ने अपने स्तर पर समय रहते उसकी सफाई कराने की जरूरत महसूस क्यों नहीं की ? इस घटना का विचलित कर देने वाला पहलू यह है कि एक छात्र सफाई के लिए टंकी के भीतर गया और वापस नहीं आया। इसके बाद तीन अन्य छात्र उसे बचाने के लिए टंकी में कूद गए। हैरत इस बात की है। कि विद्यालय के कर्मियों को जब इस घटना का पता चला, तब तक देर हो चुकी थी। पुलिस को चाहिए कि इस घटना की गहन जांच कर वह लापरवाही की उस पूरी श्रृंखला को सामने लाए, जिस कारण चार निर्दोष छात्रों की जान चली गई। विद्यालयों का दायित्व बच्चों को काम में लगाना नहीं, बल्कि उन्हें अच्छी शिक्षा देकर बेहतर भविष्य के लिए तैयार करना है।

फिल्म शूटिंग की NOC के बदले रिश्त लेंते वन विभाग के दो कर्मचारी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 08 अक्टूबर। जयपुर में फिल्म शूटिंग की अनुमति देने और सिक्वोरिटी राशि वापस करने के एवज में रिश्त लेने के आरोप में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने वन विभाग के दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में वनपाल श्याम सिंह को 20 हजार रुपए और फॉरेस्ट गार्ड शिव किशोर को 30 हजार रुपए की रिश्त लेते पकड़ा गया। ACB के अनुसार दोनों कर्मचारियों पर फिल्म शूटिंग

की NOC जारी करने और जमा सिक्वोरिटी राशि लौटाने के बदले रिश्त मांगने का आरोप है। कार्रवाई ACB एएसपी महावीर प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे की गई। मामले में शिकायत मिलने के बाद ACB ने पहले शिकायत का सत्यापन कराया। सत्यापन में रिश्त मांगने की पुष्टि होने के बाद टीम ने ट्रैप की कार्रवाई शुरू की। जलमहल के पास की गई कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपियों को रिश्त की रकम लेते हुए पकड़ लिया गया। ACB टीम ने दोनों कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया है। अब आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और रिश्त प्रकरण से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

नशे से दूर रहने का संदेश: हाथीपोल पुलिस ने स्कूलों में चलाया जागरूकता अभियान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 08 अक्टूबर। पुलिस थाना हाथीपोल की टीम ने गुरुवार को शहर के दो राजकीय विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों और शिक्षकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे जागृति अभियान के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुरु गोविंद सिंह तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विशिष्ट रेजीडेंसी, मधुवन में डॉ. अमृता दुहन के निर्देशान

तीन चरणों में खाना होंगे मतदान दल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार उदयपुर जिले में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव तीन चरणों में सम्पन्न होने जा रहे हैं। चुनाव को अति महत्वपूर्ण श्रेणी में रखते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर गौरव अग्रवाल ने पंचायत समितित्वार मतदान दलों की खानगी, अंतिम प्रशिक्षण, स्ट्रांग रूम और मतगणना को लेकर आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार, तीनों चरणों के मतदान के बाद आगामी 20 नवंबर 2026 मतगणना की जाएगी। चुनाव कार्यक्रम के तहत प्रथम चरण के मतदान दलों की खानगी 21 अक्टूबर 2026, बुधवार को होगी। इस चरण में झाड़ोल, फलासिया, कुराबड़ और बल्लभनगर पंचायत समितियों के मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण सुखाड़िया रंगमंच नगर निगम उदयपुर में आयोजित किया जाएगा, जबकि इन चारों समितियों के लिए खानगी एवं स्ट्रांग रूम स्थल राजस्थान कृषि महाविद्यालय उदयपुर को बनाया गया है। इसी चरण की गिर्वा, ओगणा, भीण्डर, नाई, मावली और घासा पंचायत समितियों के मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण और खानगी

समर्पित उपार्जित अवकाश व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित भुगतान तत्काल हों

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ ने राज्य सरकार से शिक्षकों और कर्मचारियों के समर्पित उपार्जित अवकाश की राशि तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित आर्थिक लाभों का तत्काल भुगतान करने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान ने बताया कि करीब 6 लाख से अधिक कर्मचारियों ने अप्रैल 2026 में समर्पित उपार्जित अवकाश के भुगतान के लिए आवेदन किए थे, लेकिन पांच माह से अधिक समय बीतने के बाद भी राशि का भुगतान नहीं हुआ है।

में हाथीपोल थानाधिकारी राजू देवी व पुलिस टीम ने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान की जानकारी देते हुए नशे की आदत से दूर रहने और इससे बचाव के उपाय बताए। साथ ही विद्यार्थियों को अपने आसपास भी नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को विभिन्न आपातकालीन एवं हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी। इनमें आपातकालीन सहायता के लिए 112, साइबर फ्रॉड के लिए 1930, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और महिला हेल्पलाइन 1090 शामिल हैं। पुलिसकर्मियों ने राकॉप सिटीजन ऐप डाउनलोड करने और इसके उपयोग के बारे में भी जानकारी दी। विद्यार्थियों एवं अध्यापिकाओं को पुलिस से संपर्क के लिए आवश्यक संपर्क सूत्र उपलब्ध कराए गए, ताकि किसी भी तरह की परेशानी या आपात स्थिति में वे पुलिस से तत्काल सहायता ले सकें।

व स्ट्रांग रूम स्थल पीएम श्री राजकीय फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय उदयपुर तय किया गया है, जहां विभिन्न समितियों के लिए सुबह 8 से 10 बजे और सुबह 11 से दोपहर 1 बजे के अलग-अलग समय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी प्रकार, द्वितीय चरण के मतदान दलों की खानगी 27 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। इस चरण में सायरा, कोटड़ा, गोगुन्दा और बड़गांव पंचायत समितियों के दलों का अंतिम प्रशिक्षण सुखाड़िया रंगमंच में होगा, जबकि सुलाव और देवला पंचायत समितियों के मतदान दलों को पीएम श्री राजकीय फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय के हॉल में प्रशिक्षण दिया जाएगा। द्वितीय चरण की इन सभी छह पंचायत समितियों के लिए मतदान दलों की खानगी और स्ट्रांग रूम स्थल पीएम श्री राजकीय फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय उदयपुर ही रहेगा। चुनाव के अंतिम व तृतीय चरण में मतदान दलों की खानगी 2 नवंबर को होगी। इस चरण की चारों पंचायत समितियों नयागांव, कल्याणपुर, खेरवाड़ा और ऋषभदेव के मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण सुखाड़िया रंगमंच में पारियों के अनुसार आयोजित किया जाएगा। इन सभी के लिए भी खानगी एवं स्ट्रांग रूम स्थल पीएम श्री राजकीय फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय ही तय किया गया है।

9 अक्टूबर से शुरू होगी भव्य रामलीला, 13 को राम-जानकी विवाह से पहले निकलेगी बिन्दोरी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। उदयपुर में श्रीराम लीला समिति की ओर से 9 अक्टूबर से दस दिवसीय रामलीला का आयोजन किया जाएगा। निम्बार्क महाविद्यालय निम्बार्क महाविद्यालय मैदान तक राम-जानकी विवाह से पूर्व भव्य बिन्दोरी निकाली जाएगी। इसके मैदान में भूमि पूजन के बाद मंच निर्माण शुरू हो गया है। वृंदावन के पुष्टिमागीय श्री कृष्ण लीला संस्थान के 40 कलाकार रामकथा के विभिन्न प्रसंगों का मंचन करेंगे। समिति अध्यक्ष धर्मनारायण जोशी ने बताया कि दल प्रमुख घनश्याम शर्मा (भारद्वाज) और ज्ञान शर्मा के नेतृत्व में कलाकार रामलीला प्रस्तुत करेंगे। घनश्याम शर्मा पिछले 40 वर्षों से रामलीला मंचन कर रहे हैं और बिहार,

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली के साथ राजस्थान के मेड़ता व जयपुर में भी प्रस्तुति दे चुके हैं। समिति के संयोजक डॉ. विजयप्रकाश विप्लवी ने बताया कि 13 अक्टूबर को अस्थल आश्रम से निम्बार्क महाविद्यालय मैदान तक राम-जानकी विवाह से पूर्व भव्य बिन्दोरी निकाली जाएगी। इसके बाद शाम 6 बजे राम-जानकी विवाह का मंचन होगा। तैयारियों को लेकर महासचिव भंवरलाल शर्मा, समन्वयक अशोक बाबेल सहित हरीश शर्मा, राजकुमार पारीक, धरणीधर तिवारी, गजेन्द्र चौबीसा, ओमप्रकाश, जगन्नाथ शर्मा, राजेश स्वर्णकार, चेतन माली, दीपक डांगी सहित पदाधिकारी जुटे हैं। समिति की ओर से मोहेश्वरी, अग्रवाल सहित विभिन्न समाजों को आयोजन के निमंत्रण दिए जा रहे हैं।

शिल्पग्राम में 10 अक्टूबर को होगा नाटक 'फायरप्लेस' का मंचन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा आयोजित मासिक नाट्य संघ्या 'रंगशाला' के अंतर्गत शनिवार 10 अक्टूबर को सायं 7 बजे शिल्पग्राम उदयपुर स्थित दर्पण सभागार में डॉ. राजीव मिश्रा द्वारा लिखित एवं

रोहित त्रिपाठी दिल्ली द्वारा निर्देशित 'फायरप्लेस' नाटक का मंचन किया जाएगा। यह नाटक 1990 में कश्मीरी पंडित समुदाय के पलायन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह जानकारी पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक डॉ. अश्विन एम. दलवी ने दी। इस कार्यक्रम में आमजन का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

बागोर की हवेली में मोहन पटेल की चित्रात्मक फोटोग्राफी प्रदर्शनी शुरू



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। गणगौर घाट स्थित बागोर की हवेली में वरिष्ठ कलाकार एवं फोटोग्राफर मोहन पटेल की सातवीं चित्रात्मक फोटोग्राफी प्रदर्शनी शुरू हुई। गुजरात ललित कला अकादमी

के सहयोग से आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन सेवानिवृत्त आरएएस अधिकारी एवं कलाकार दिनेश कोठारी और वरिष्ठ फोटो पत्रकार राकेश शर्मा 'राजदीप' ने किया। प्रदर्शनी में रंग, प्रकाश, छाया और कल्पनाशील संरचनाओं के जरिए फोटोग्राफी को चित्रकला का रूप देने वाले छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। पांच दशक से अधिक की कला साधना कर चुके मोहन पटेल के कार्य राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रदर्शित हो चुके हैं। प्रदर्शनी 10 अक्टूबर तक सुबह 11 से रात 8 बजे तक देखी जा सकेगी।

शक्ति का सदुपयोग, तप और त्याग से आत्मकल्याण की राह : मुनि अरहसागर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। अशोक नगर स्थित उदासीन आश्रम के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मुनि अरहसागर महाराज एवं मुनि सुहित सागर महाराज के सान्निध्य में धर्मसभा हुई। षोडशकारण भावना के छठे क्रम पर मुनि अरहसागर महाराज ने शक्ति के सदुपयोग, तप और त्याग को आत्मकल्याण का आधार बताया। आयोजन की शुरुआत जिनेंद्र भगवान के अभिषेक व शांतिधारा से हुई। श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री के चित्र का अनावरण, दीप प्रज्ज्वलन और मुनिश्री का पाद-प्रक्षालन कर श्रीफल भेंट किया। मुनिश्री ने कहा कि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक शक्ति का उपयोग प्रदर्शन के बजाय धर्म, संयम और परोपकार में होना चाहिए। तप केवल शरीर को कष्ट देना नहीं, बल्कि इच्छाओं, आसक्ति और

विषय-वासनाओं पर नियंत्रण है। इसी तरह त्याग तभी सार्थक है, जब बाहरी वस्तुओं के साथ अहंकार, लोभ, क्रोध, मान और माया जैसे आंतरिक विकारों का भी त्याग किया जाए। धर्म प्रभावना समिति महामंत्री प्रकाश अखावत व मीडिया धर्मसभा में दान भावना का महत्व भी समझाया गया। जैन धर्म में आहार, औषधि, ज्ञान और अभय दान को प्रमुख माना गया है। शाम 6.30 बजे गुरु भक्ति, छहहाला जी का वाचन-प्रवचन और आरती हुई। चातुर्मास समिति अध्यक्ष महेंद्र टाया, धर्म प्रभावना समिति अध्यक्ष कुंथुकुमार जैन, राजेंद्र अखावत, शशिकुंत शाह, कैलाश गंगावाल, सुमत प्रकाश बालावत, प्रमोद ठोलिया, नरेंद्र टाया, जगदीश जैन, जिनेंद्र गंगावत, नेमीचंद पटवारी, जिनेंद्र मेडिस्टैंड, जितेंद्र, रोशनलाल अखावत, मनोहरलाल गंगावत, अनिल मेहता, अभिषेक, मानमल गंगावत सहित कई श्रावक मौजूद रहे। अर्चना पटवारी, ज्योति अखावत, सर्वेश जैन, निर्मला गंगावत, मंजू गंगावत, कंजु शाह, संगीता, कीर्ति, कल्पना गंगावत सहित बड़ी संख्या में श्राविकाओं ने भी भाग लिया।



प्रमोशन से 25 दिन पहले असम में थम गई चित्तौड़गढ़ के जवान की जिंदगी, ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से निधन



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 8 अक्टूबर। देशसेवा में करीब 22 साल बिताने वाले चित्तौड़गढ़ के जवान जितेन्द्र सिंह चौहान का असम में ड्यूटी के दौरान निधन हो गया। गंगारार क्षेत्र के सुरत सिंह जी का खेड़ा निवासी 41 वर्षीय जितेन्द्र सिंह 629 साटा बैटरी यूनिट में आरटी हवलदार के पद पर तैनात थे। परिवार को मिली जानकारी के मुताबिक ड्यूटी के दौरान उनका ऑक्सीजन स्तर कम हुआ और इसके बाद हार्ट अटैक आने से उनकी मौत हो गई। जितेन्द्र सिंह के परिवार के लिए यह खबर इसलिए भी ज्यादा पीड़ादायक है क्योंकि महज 25 दिन बाद उनके सैन्य करियर में

नई जिम्मेदारी मिलने वाली थी। 1 नवंबर को उनका प्रमोशन प्रस्तावित था और वे हवलदार से नायब सुबेदार बनने वाले थे। इससे पहले ही ड्यूटी के दौरान उनकी मौत की खबर गांव पहुंच गई।

असम से राजस्थान लाया जाएगा पार्थिव शरीर

निधन के बाद असम में सेना की ओर से पोस्टमॉर्टम और अन्य जरूरी सैन्य प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे इन औपचारिकताओं के बाद पार्थिव शरीर को राजस्थान रवाना किए जाने की संभावना है। इसे एयर एम्बुलेंस से लाए जाने की जानकारी सामने आई है। इसके बाद नसीराबाद छावनी की टीम पार्थिव शरीर को लेकर पैतृक गांव पहुंचेगी। परिवार और ग्रामीणों को गुरुवार शाम तक पार्थिव शरीर के गांव पहुंचने की उम्मीद है। अंतिम संस्कार सैन्य सम्मान के साथ किए जाने की तैयारी है। हालांकि, स्थानीय प्रशासन के

मुताबिक सेना या सैनिक कल्याण विभाग की ओर से अभी तक कोई लिखित आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

जून 2004 में सेना में भर्ती हुए थे जितेन्द्र

जितेन्द्र सिंह ने जून 2004 में भारतीय सेना में कदम रखा था। इसके बाद करीब 22 साल 4 महीने के सैन्य करियर में उन्होंने देश के अलग-अलग हिस्सों में तैनाती के दौरान सेवाएं दीं। गांव लौटने पर उनका जुड़ाव युवाओं से भी बना रहता था। ग्रामीणों के अनुसार वे युवाओं को सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करते थे।

पीछे रह गया परिवार
जितेन्द्र सिंह अपने पीछे माता-पिता, पत्नी और दो बेटियों का परिवार छोड़ गए हैं। उनकी बड़ी बेटी कीर्तिराज है, जबकि छोटी बेटी सौम्या करीब एक साल की है। उनके छोटे भाई ललित सिंह राजस्थान पुलिस में कार्यरत हैं।

खेल-खेल में बच्चों ने ख़ा लिए रतनजोत के जहरीले बीज, 7 की तबीयत बिगड़ी; अस्पताल में भर्ती



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा, 8 अक्टूबर। बांसवाड़ा जिले के सज्जनगढ़ थाना क्षेत्र में खेलते समय सात बच्चों ने रतनजोत के बीज खा लिए। कुछ देर बाद बच्चों को उल्टियां होने लगीं और उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर सभी को बांसवाड़ा के एमजी अस्पताल रेफर किया गया।

चाय पी रहे तीन भाइयों पर चेन-लट्ट से हमला, एक गंभीर घायल



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर, 8 अक्टूबर। कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार रात चाय की दुकान पर बैठे तीन भाइयों पर अज्ञात बदमाशों ने अचानक हमला कर दिया। बदमाशों ने साइकिल की चेन और लट्ट से तीनों के साथ मारपीट की। हमले में करावाड़ा निवासी सुनील रोट गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसके भाई मेहुल और दिनेश

को बीच-बचाव के दौरान चोटें आईं। घायल सुनील को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। सुनील रोट अपने भाइयों मेहुल और दिनेश के साथ चचेरी बहन मानसी को लेने डूंगरपुर आया था। तीनों शास्त्री कॉलोनी क्षेत्र के ओटा में एक चाय की दुकान पर रुके और चाय पीने लगे। इसी दौरान कुछ अज्ञात युवक वहां पहुंचे और बिना किसी स्पष्ट वजह के तीनों पर हमला कर दिया। अचानक हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हमलावरों ने सुनील पर साइकिल की चेन और लट्ट से बार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। भाई मेहुल और दिनेश ने उसे बचाने की कोशिश की तो बदमाशों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। दोनों को मामूली चोटें आई हैं। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने घायल के बयान सहित अन्य तथ्यों के आधार पर हमलावरों की पहचान और तलाश शुरू कर दी है।

अजमेर पुलिस की दो बड़ी कार्रवाई, अवैध बांग्लादेशी नागरिक समेत 27 साल से फरार 15 हजार का इनामी गिरफ्तार



जयपुर, 8 अक्टूबर। अजमेर जिला पुलिस ने अवैध घुसपैठियों और पुराने मामलों में फरार आरोपियों के खिलाफ चल रहे अभियान में दो बड़ी कार्रवाई की है। स्पेशल टास्क फोर्स ने दरगाह बाजार से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा, जबकि बांदरसिंदरी थाना पुलिस ने 1999 से फरार चल रहे 15 हजार रुपए के इनामी आरोपी को उत्तराखंड के हल्द्वानी से गिरफ्तार किया। अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ यह अजमेर पुलिस की 26वीं कार्रवाई है। इसके साथ अब तक कुल 60 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े जा चुके हैं। पुलिस के अनुसार मोहम्मद रफिकुल इस्लाम उर्फ सुमन (27), निवासी नेत्रोकोना, बांग्लादेश, बिनापोल बॉर्डर से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुआ और ट्रेन से कोलकाता होते हुए अजमेर पहुंचा था। वह खानाबदोश के रूप में रह

रहा था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

27 साल बाद हल्द्वानी से पकड़ा

दूसरी कार्रवाई में बांदरसिंदरी पुलिस ने वर्ष 1999 के चोरी के मामले में फरार कुंदन सिंह उर्फ कुशल सिंह निवासी अल्मोड़ा/बागेश्वर, उत्तराखंड को हल्द्वानी से गिरफ्तार किया। आरोपी पर 15 हजार रुपए का इनाम घोषित था और वह 27 वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहा था। पुलिस के अनुसार 11 नवंबर 1999 को टैकर चालक मोहन सिंह ने रिपोर्ट दी थी कि बांदरसिंदरी के एक होटल पर उसने अपना टैकर खलासी कुंदन सिंह को सौंपा था। बाद में कुंदन सिंह टैकर का हॉर्स, वाहन के दस्तावेज और चालक का आई-कार्ड लेकर फरार हो गया था। मामले में उसे भगोड़ा घोषित कर इनाम रखा गया था। तकनीकी सहायता से तलाश के बाद पुलिस ने अब उसे गिरफ्तार कर लिया।

हाईकोर्ट में पेशी के बाद लौट रहे झाड़ोल SHO की सड़क हादसे में मौत, ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई कार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। उदयपुर जिले के झाड़ोल थाने के थानाधिकारी बुद्धराम बिश्नोई की बुधवार देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई। वे जोधपुर हाईकोर्ट में पेशी के बाद कार से उदयपुर लौट रहे थे। जोधपुर जिले के चामू थाना क्षेत्र में रात करीब 12 बजे उनकी कार सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। हादसे में एसएचओ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार चला रहा कॉन्स्टेबल घायल हो गया।

हादसों में दो लोगों की मौत, एक ने फंदा लगाया तो दूसरे की कुएं में डूबने से गई जान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। उदयपुर जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए दो हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। सुखेर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने घर के कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी, जबकि कुराबड़ थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति पैर फिसलने से कुएं में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। दोनों मामलों में पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू की है। सुखेर के मेहरों का गुड़ा निवासी 60 वर्षीय गजरी बाई पत्नी स्वर्गीय देवीलाल की सूचना पर पुलिस ने मर्ग दर्ज किया। पुलिस के अनुसार गजरी

बाई के पुत्र नारायण वागरिया ने घर के कमरे में लोहे की इंगल पर साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। कुराबड़ में कालीबली जागत निवासी 56 वर्षीय लालुराम पुत्र जैता रावत की कुएं में गिरने से मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पैर फिसलने से लालुराम कुएं में जा गिरे और पानी में डूब गए। सूचना पर कुराबड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराई। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक स्तर पर की जा रही है।

मेडिकल रिपोर्ट के लिए 35 हजार की डील, ट्रैप में दलाल गिरफ्तार, डॉक्टर को सरकारी आवास से दबोचा



24 न्यूज अपडेट

भरतपुर, 8 अक्टूबर। नदबई के राजकीय चिकित्सालय में मेडिकल रिपोर्ट को 'हैवी एमएलसी' बनाने के बदले 35 हजार रुपए की रिश्वत मांगने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक व्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को ट्रैप कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशिकान्त शर्मा के लिए रिश्वत की रकम लेते निजी व्यक्ति त्रिलोकचन्द शर्मा उर्फ चीनू को 35 हजार रुपए के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। वहीं, एसीबी टीम ने डॉक्टर को उनके सरकारी आवास से डिटोन किया। एसीबी के अनुसार धौलपुर चौकी को एक परिवारी ने शिकायत दी थी। परिवारी ने नदबई थाने में मारपीट का मामला दर्ज कराया था। मामले में उसके परिजनों को लगी चोटों का मेडिकल परीक्षण राजकीय चिकित्सालय नदबई में कराया जाना था। आरोप है कि मेडिकल रिपोर्ट में 'हैवी एमएलसी' तैयार करने के एवज में वरिष्ठ

चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशिकान्त शर्मा की ओर से 35 हजार रुपए की मांग की जा रही थी। यह रकम त्रिलोकचन्द शर्मा उर्फ चीनू के जरिए लेने की बात सामने आई।

गोपनीय सत्यापन में खुली रिश्वत मांगने की बात

शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने पहले उसका गोपनीय सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान डॉक्टर की ओर से त्रिलोकचन्द के माध्यम से 35 हजार रुपए मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई तय की। भरतपुर रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरविजन में धौलपुर एसीबी चौकी के पुलिस उप अधीक्षक प्रेमचन्द मीणा के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। जैसे ही त्रिलोकचन्द शर्मा उर्फ चीनू ने 35 हजार रुपए की रिश्वत ली, एसीबी ने उसे पकड़ लिया। उसके कब्जे से रिश्वत की पूरी रकम बरामद कर ली गई। ट्रैप कार्रवाई के दौरान एसीबी टीम ने वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशिकान्त शर्मा को भी उनके सरकारी आवास से डिटोन किया। एसीबी के मुताबिक रिश्वत की रकम डॉक्टर के लिए ही ली जा रही थी। दोनों से पूछताछ के साथ मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।



24 न्यूज अपडेट

हार्ट अटैक बताकर पति को दफनाया, 10 दिन बाद मोबाइल ने खोला हत्या का राज

मेरठ, 8 अक्टूबर। पति की मौत को हार्ट अटैक बताकर परिवार को गुमराह किया गया और शव को कब्र में दफना दिया गया। करीब 10 दिन बाद एक मोबाइल ने पूरे मामले की तस्वीर बदल दी। मोबाइल में मिली चैट ने परिजनों का शक गहरा किया तो पत्नी से सख्ती से पूछताछ हुई। इसके बाद सामने आई कथित कहानी ने सभी को हैरान कर दिया। मामला मेरठ की जाकिर नगर कॉलोनी का है, जहां 28 सितंबर को तालिब की मौत हुई थी। अब मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में उसकी कब्र खोदकर शव बाहर निकाला गया है और पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। तालिब मुजफ्फरनगर के रसूलपुर-दभेड़ी गांव निवासी जुल्फिकार का 30 वर्षीय बेटा था। वह राजमिस्त्री का काम करता था। करीब चार साल पहले उसकी शादी मेरठ के ब्रह्मपुरी क्षेत्र निवासी मोमिन की बेटी इल्मा से हुई थी। दोनों की तीन साल की बेटी है और परिवार जाकिर नगर कॉलोनी में किराये के मकान में रह रहा था। इल्मा पास ही सिग्नेचर स्टाइल व्यूटी स्टूडियो में काम करती थी।

शाम को घर लौटा तालिब, कुछ देर बाद मौत की खबर

28 सितंबर को तालिब रोज की तरह काम से घर लौटा था। शाम करीब सात बजे अचानक परिवार को उसकी मौत की सूचना दी गई। फोन तालिब के मोबाइल से किया गया था। पत्नी इल्मा ने परिजनों को बताया कि तालिब की तबीयत अचानक बिगड़ी, वह बिस्तर पर लेटा और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। मौत की वजह हार्ट अटैक बताई गई। सूचना मिलते ही फतेहुल्लापुर में रहने वाला तालिब का चचेरा भाई अक़रम घर पहुंचा। इल्मा ने उसे भी यही बताया कि तालिब काम से लौटने के बाद अचानक बीमार पड़ा था। परिवार ने इसे सामान्य मौत मान लिया और उसी रात शव को मुजफ्फरनगर स्थित पैतृक गांव रसूलपुर-दभेड़ी ले जाया गया। 29 सितंबर को तालिब को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। इल्मा भी अंतिम संस्कार के दौरान परिवार के साथ रही और इसके बाद 30 सितंबर को मेरठ लौट आईं।

लेकिन परिवार के मन में उठ रहा था सवाल तालिब की मौत के बाद परिजनों को कुछ बातें खटक रही थीं। इसी बीच 1 अक्टूबर को तालिब का मामा का बेटा रईस मेरठ स्थित इल्मा के घर पहुंचा और उसने तालिब का मोबाइल मांगा। आरोप है कि इल्मा ने मोबाइल के बारे में जानकारी होने से इनकार कर दिया। रईस ने कमरे में मोबाइल तलाशना शुरू किया। इसी दौरान उसे कपड़े के नीचे तालिब का मोबाइल मिल गया। मोबाइल चालू करने के बाद उसमें मौजूद मैसेज और चैट देखी गई। यहीं से मामला अचानक दूसरी दिशा में मुड़ गया।

मोबाइल में अमन की चैट

मिली, शक पत्नी पर गहराया

रईस को मोबाइल में तालिब और अमन के बीच बातचीत मिली। चैट में तालिब ने अमन को अपनी पत्नी से बातचीत नहीं करने के लिए कहा था। इसके बाद परिजनों का शक इल्मा पर और गहरा गया। रईस ने इल्मा की मां की मौजूदगी में उससे पूछताछ शुरू की। पूछताछ में इल्मा ने पति की मौत से जुड़ी घटनाओं के बारे में जानकारी दी और कथित तौर पर हत्या की बात स्वीकार की।

पत्नी के मुताबिक पहले हुई

कहासुनी, फिर प्रेमी को बुलाया

पूछताछ में सामने आई कहानी के मुताबिक 28 सितंबर को तालिब और इल्मा के बीच कहासुनी हुई थी। इल्मा के अनुसार तालिब ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद उसने अमन को फोन कर घर बुलाया। आरोप है कि अमन अपने एक साथी के साथ वहां पहुंचा। इल्मा के कथित बयान के मुताबिक अमन और उसके साथी ने तालिब के साथ मारपीट की और उसे काबू में कर लिया। इसके बाद अमन ने इल्मा की चुस्ती का इस्तेमाल कर तालिब की जान ले ली। घटना के बाद परिवार को मौत की असली वजह नहीं बताई गई और हार्ट अटैक की कहानी बताने का आरोप है। पूछताछ में यह भी बताया कि घटना के बाद अमन ने उसे किसी को कुछ नहीं बताने के लिए कहा था। आरोप है कि अमन ने उससे इद्दत पूरी होने के बाद निकाह करने का वादा भी किया था। मामले में पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में गुरुवार सुबह करीब 11:30 बजे तालिब की कब्र खोदी गई। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। कब्र से शव निकालते वक़्त दो एएसडीएम भूपेंद्र सिंह, सीओ गजेंद्र सिंह और पुलिस बल मौजूद रहा।

छह महीने से खुदी सड़कें, भाजपा पदाधिकारी के घर के बाहर बना दी चकाचक सड़क, बाकी जगह धूल के गुबार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। सेक्टर-11 में सीवरेज लाइन बिछाने के नाम पर छह महीने पहले खोदी गई सड़कें अब लोगों के लिए रोज की परेशानी बन गई हैं। दिनभर वाहनों के गुजरने से धूल के गुबार उठते हैं और घरों के अंदर तक पहुंच रहे हैं। हालात यह हैं कि घरों के अहातों से लेकर आंगन और कमरों तक बारीक धूल की परत जम गई है। क्षेत्र के कई लोगों को खांसी और अस्थमा सहित अन्य शिकायत हो रही है, जबकि बच्चों और बुजुर्गों को भी सांस संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीवरेज लाइन बिछाने के समय लोगों को बताया गया था कि सड़क खोदने के बाद लाइन का कनेक्शन कर तुरंत सड़क बना दी जाएगी। लेकिन सड़क बनने का इंतजार करते-करते पार्षदों चुनाव भी निकल गए। इसके बाद बाढ़बंदी में समय जाया हो गया और अब दीपावली सिर पर है, लेकिन कई गलियों में सड़कें उसी हालत में पड़ी हैं। सामुदायिक भवन के सामने की गलियों

का जब हमने मौका मुआयना किया तो पाया कि छह महीने से खुदी सड़क पर अब तक डामर नहीं बिछाया गया है।

एक ही इलाके में सड़क की दो तरस्वीरें



सबसे ज्यादा चर्चा उस गली की है, जहां एक मोड़ पर रहने वाले भाजपा पदाधिकारी के घर के बाहर सड़क चकाचक हो चुकी है। आसपास की गलियां अभी भी खुदी हुई हैं और लोग धूल फांक रहे हैं। एक तरफ छह महीने से खुदी सड़कें और दूसरी तरफ कुछ घरों के सामने नई व चकाचक सड़क। लोगों का कहना है कि जब गली के एक छोर पर सड़क बनाई जा सकती है तो बाकी जगह क्यों छोड़ा गया है। लोग नेताओं के हाथ जोड़-जोड़कर तंग आ चुके हैं। उनका सीधा सवाल है कि भाजपा के राज में आखिर ऐसा कौन सा फार्मूला है, जिससे सड़कें रातोंरात बन जाती हैं। यदि किसी विशेष प्राथमिकता के आधार पर काम किया जा रहा है तो पूरे क्षेत्र को

इसकी जानकारी दी जानी चाहिए और यदि कोई खास फार्मूला नहीं है तो सभी गलियों में एक समान काम शुरू किया जाना चाहिए।

धूल से परेशान लोग, पानी का छिड़काव भी नहीं सड़कें खुदी होने के साथ ही धूल की समस्या लगातार बढ़ रही है। दिनभर वाहनों की आवाजाही के कारण सड़क की मिट्टी उड़कर घरों में पहुंच रही है। लोगों के अनुसार धूल से बचाव के लिए सड़कों पर नियमित पानी का छिड़काव होना चाहिए, लेकिन यह व्यवस्था भी नजर नहीं आ रही है। ऐसे में छह महीने से सड़क की परेशानी अब स्वास्थ्य संबंधी दिक्कों में बदलती दिखाई दे रही है। दीपावली से पहले क्षेत्र के लोग चाहते हैं कि कम से कम मुख्य गलियों और सामुदायिक भवन के आसपास की सड़कों को तत्काल दुरुस्त किया जाए। लोगों का कहना है कि त्योहार के दिनों में आवाजाही बढ़ेगी और सड़कें इसी हालत में रहें तो परेशानी और बढ़ेगी।

आंदोलन की चेतावनी

लोगों ने साफ कहा है कि लंबे समय से सड़क निर्माण का इंतजार किया जा रहा है। बार-बार जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार लोगों से कहने के बावजूद समस्या जस की तस है। यदि सभी गलियों में समान रूप से सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ और धूल से राहत के लिए पानी का छिड़काव नहीं कराया गया तो क्षेत्र में आंदोलन किया जाएगा। लोगों की मांग है कि सीवरेज का काम पूरा होने के बाद सड़कों को बिना किसी भेदभाव के एक साथ दुरुस्त कराया जाए, ताकि छह महीने से चली आ रही परेशानी खत्म हो और दीपावली से पहले क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

निगम बोर्ड की पहली बैठक 14 अक्टूबर को, त्योहारों और वार्ड समस्याओं पर होगी चर्चा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। उदयपुर नगर निगम के नए बोर्ड की पहली बड़ी बैठक 14 अक्टूबर को सुबह 11 बजे निगम सभागार में होगी। महापौर पारस सिंघवी की मौजूदगी में होने वाली बैठक में सभी 80 पार्षद शामिल होंगे। बैठक में शहर के विकास कार्यों, आगामी दशहरा-दीपावली की व्यवस्थाओं, स्वच्छता, पेयजल संकट और वार्डों की समस्याओं पर चर्चा होगी। पार्षद अपने-अपने वार्ड से जुड़े मुद्दे

और विकास कार्यों की जरूरतें बैठक में रख सकेंगे। त्योहारों के दौरान मेलों एवं अन्य आयोजनों की व्यवस्थाओं को लेकर पार्षदों से सुझाव भी लिए जाएंगे। निगम के अधिकारी-कर्मचारी भी बैठक में मौजूद रहेंगे। नए बोर्ड में पार्षदों की संख्या 70 से बढ़कर 80 होने के कारण निगम सभागार में बैठने की क्षमता बढ़ाई जा रही है। इसके लिए डाइस के आगे और पीछे अतिरिक्त कुर्सियां लगाने के टेंडर जारी किए गए हैं। अब हॉल की क्षमता करीब 70-75 से बढ़ाकर 110 लोगों तक की जा रही है।

NATIVE ADVERTISING FOR E-COMMERCE

24 न्यूज अपडेट
से मुझे मिले बढ़िया ग्राहक

24 न्यूज अपडेट पर ऐड बुक करें

घर बैठे ऐड बुकिंग
आसान ऑनलाइन पेमेंट

कॉल :
8852073787

एसआईआर के विरोध में इंडिया गठबंधन का शक्ति प्रदर्शन, बैरिकेड पर चढ़े कार्यकर्ता, पुलिस से भिड़े, हल्का बल प्रयोग



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। एसआईआर के विरोध में गुरुवार को उदयपुर में इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने संयुक्त रूप से विरोध मार्च निकाला। कांग्रेस के साथ वामदल और अन्य सहयोगी संगठनों के नेता-कार्यकर्ता भी मार्च में शामिल हुए। टाउन हॉल से शुरू हुआ मार्च बापू बाजार और दिल्ली गेट होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचा। यहां प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग

की कार्यप्रणाली और मतदाता सूचियों में बदलाव के विरोध में नारेबाजी की। वोट चोर गद्दी छोड़ और भाजपा तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जर्बदस्त नारेबाजी की।

उदयपुर में निकाय चुनाव में भी धांधली के आरोप लगाए। कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड पर चढ़ने लगे। पुलिस ने उन्हें रोककर पीछे हटाने का प्रयास किया। इसी दौरान धक्का-मुक्की में कुछ बैरिकेड गिरते ही पीछे खड़े प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को पीछे धकेला। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को पीछे किया। मौके पर एडिशनल एसपी उमेश ओझा, डीएसपी राजेश यादव समेत तीन से अधिक थानों के थानाधिकारी और पुलिस जासा मौजूद रहा। पुलिस अधिकारियों ने आगे बढ़ रही भीड़ को पीछे किया। कुछ

दर के लिए कलेक्ट्रेट के बाहर तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

कांग्रेस के साथ वामदल और अन्य संगठन भी मैदान में

विरोध मार्च में कांग्रेस के अलावा भाकपा (माले), माकपा, भाकपा, एकटू, आदिवासी महासभा, एमसीपीआई सहित इंडिया गठबंधन से जुड़े अन्य संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला भी जलाया गया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ सहित गठबंधन के नेताओं ने केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए एसआईआर को लेकर विरोध जताया। नेताओं ने मतदाता सूची में पारदर्शिता, मताधिकार की सुरक्षा और निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग उठाई। विरोध प्रदर्शन की रणनीति 6 अक्टूबर को इंडिया गठबंधन के घटक दलों की बैठक में तैयार की गई थी।

गांधी ग्राउंड में 20 अक्टूबर को होगा 78वां विजयादशमी महोत्सव, मथुरा की टीम बना रही रावण परिवार के पुतले



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। श्री सनातन धर्म सेवा समिति और श्री बिलोचिस्तान पंचायत, उदयपुर की ओर से इस वर्ष 78वां विजयादशमी महोत्सव 20 अक्टूबर को गांधी ग्राउंड में धूमधाम से मनाया जाएगा। भगवान श्रीराम की रावण पर विजय के प्रतीक इस आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। पंचायत महासचिव विजय आहूजा ने बताया कि कार्यक्रम में विजय तिलक परम श्रद्धेय शैलेश कुमार त्रिजवानी (गुरु जी) करेंगे। आयोजन में शहर के जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक भी शामिल होंगे। मुख्य अतिथि डॉ. अरविन्दर सिंह, जबकि विशिष्ट अतिथियों में उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत, राज्यसभा सांसद चूनीलाल गरासिया, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, नगर निगम महापौर पारस सिंघवी, उप महापौर दिनेश भट्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़



और कांग्रेस जिलाध्यक्ष फतहसिंह राठौड़ शामिल होंगे।

मथुरा की टीम तैयार कर रही रावण परिवार श्री सनातन धर्म सेवा समिति के हेमंत गखरेजा ने बताया कि विजयादशमी के लिए रावण परिवार के पुतलों को तैयार करने का काम शुरू हो गया है। इसके लिए मथुरा से शाकिर भाई अली की टीम उदयपुर पहुंची है। टीम समाज के भवन में दिन-रात पुतलों के निर्माण में जुटी हुई है। समिति और पंचायत पदाधिकारियों ने बताया कि आयोजन को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। श्री बिलोचिस्तान पंचायत अध्यक्ष नानकराम कस्तूरी, उपाध्यक्ष गुरुमुख कस्तूरी व जितेंद्र तलरेजा, महासचिव विजय आहूजा, सलाहकार सुरेश कटारिया, वहीं श्री सनातन धर्म सेवा समिति के सचिव नरेंद्र कथूरिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश तलदार, उपाध्यक्ष मनोज कटारिया, संयोजक हेमंत गखरेजा और सह संयोजक मनीष डेबला ने धर्मप्रेमी शहरवासियों से महोत्सव में शामिल होने की अपील की है।

पदमेला स्कूल के विद्यार्थियों को परीक्षा लेखन बोर्ड वितरित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, पदमेला (अडिन्दा), तहसील वल्लभनगर में विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सामग्री वितरण का कार्यक्रम हुआ। खेरोदा निवासी मदनलाल बोकड़िया ने विद्यालय की कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को परीक्षा लेखन बोर्ड (क्लिप बोर्ड) वितरित किए। परीक्षा

के दौरान विद्यार्थियों के उपयोग में आने वाले इन बोर्ड के मिलने से विद्यार्थियों को सुविधा होगी। विद्यालय परिवार की ओर से इस सहयोग के लिए मदनलाल बोकड़िया के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही इस कार्य में सहयोग देने वाले पुष्कर रावत का भी विद्यालय परिवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराने का यह प्रयास सराहनीय है और इससे बच्चों को अपनी पढ़ाई एवं परीक्षा संबंधी

कार्यों में सुविधा मिलेगी। विद्यालय की कार्यवाहक प्रधानाध्यापिका श्रीमती संगीता मीणा, श्री तेजराज मीणा, श्री संदीप कुमार, श्री धर्मराज वैरवा, श्री ओमेन्द्र सिंह, श्रीमती भगवती जोशी और सुश्री विद्या पांचावत उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने मदनलाल बोकड़िया एवं पुष्कर रावत के सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए अभिनय में भी विद्यालय एवं विद्यार्थियों के हित में इसी प्रकार सहयोग मिलने की अपेक्षा जताई।

स्टेट रोलर स्केटिंग में उदयपुर के सागर, मायरा व ताशी पदक विजेता



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भीलवाड़ा में संपन्न हुई 70वीं राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में उदयपुर जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में सागर रावल ने काइस 500 मीटर एवं 1000 मीटर स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। वहीं मायरा त्यागी ने इनलाइन रोड 1 लैप में स्वर्ण तथा 2 किलोमीटर रोड रेस में रजत पदक हासिल किया। ताशी पुनेरा ने काइस 500 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर उदयपुर का गौरव बढ़ाया। उप जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक किरण बाला जिनगर ने बताया कि सागर रावल ने दो स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। वहीं मायरा त्यागी एवं ताशी पुनेरा के शानदार प्रदर्शन के चलते बालिका वर्ग में उदयपुर ने 9 अंकों के साथ उपविजेता ट्रॉफी अपने नाम की। इस उपलब्धि पर शिक्षा विभाग शारीरिक शिक्षा से युगल जी शर्मा, दीपक जी भानावत, सुनील जी बया एवं बलवीर सिंह जी राठौड़ ने विजेता खिलाड़ियों तथा शिक्षा विभाग द्वारा नियुक्त प्रशिक्षक मयंक सोनी एवं धीरज देवड़ा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने छह माह में 9.97 करोड़ यात्रियों को पहुंचाया गंतव्य तक, यात्री आय 13% बढ़ी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 8 अक्टूबर। उत्तर पश्चिम रेलवे ने अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान करीब 9.97 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में यात्रियों की संख्या में 6.22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान यात्री परिवहन से रेलवे को करीब 2,044 करोड़ रुपए की आय हुई, जो पिछले वर्ष के 1,811 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 13 प्रतिशत अधिक है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, यात्रियों की बढ़ती संख्या रेलवे की सेवाओं के प्रति यात्रियों के बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। रेलवे की ओर से यात्रियों की मांग के अनुसार नई ट्रेनों का संचालन, मौजूदा ट्रेनों के फेरों में बढ़ोतरी और त्योहारों व विशेष अवसरों पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

सितंबर में 1.75 करोड़ यात्रियों ने किया सफर
सितंबर 2026 में भी उत्तर पश्चिम रेलवे पर यात्री आवागमन में बढ़ोतरी रही। इस महीने करीब 1.75 करोड़ यात्रियों ने रेल यात्रा की। यात्री परिवहन से रेलवे को करीब 396 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जो सितंबर 2025 की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। रेलवे के अनुसार, त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए विशेष रेलसेवाएं संचालित की जा रही हैं। साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों में अतिरिक्त फेरों और यात्री सुविधाओं का विस्तार भी किया जा रहा है।